केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 94 सोमवार 26 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

कुआनो में छलांग लगाने वाली किशोरी का शव बरामद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मूड़घाट पुल से कुआनो नदी में छलांग लगाने वाली करीब 16 वर्षीय किशोरी अंजलि का शव रविवार शाम करीब चार बजे बरामद हुआ। तीन दिन से चल रही तलाश के बाद शव मिलने की सूचना से परिजनों में मातम छा गया। गोताखोरों की मदद से नदी में किशोरी की तलाश कराई गई।

जानकारी के अनुसार, मुंडेरवा थाना क्षेत्र के छीतही नर्सिंग गांव की रहने वाली अंजलि शुक्रवार दोपहर करीब मूड़घाट पुल से कुआनो नदी में कूद गई थी। वह महिला महाविद्यालय की छात्रा थी और एनसीसी में भी शामिल थी।

घटना के समय नदी में नहा रहे एक स्थानीय युवक की नजर उस पर पड़ी थी। किशोरी को डूबता देख युवक उसे बचाने के लिए नदी में पहुंचा, लेकिन बताया जा रहा है कि किशोरी ने उसके दोनों हाथ पकड़ लिए, जिससे युवक भी डूबने लगा। किसी तरह युवक अपनी जान बचाकर बाहर निकल आया, लेकिन किशोरी को नहीं बचा सका।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और पीएसी की टीम मौके पर पहुंची थी। इसके बाद से ही नदी में उसकी तलाश की जा रही थी। शनिवार को भी गोताखोरों ने काफी प्रयास किया, लेकिन किशोरी का पता नहीं चल सका था। रविवार को भी तलाश जारी रही। शाम करीब चार बजे उसका शव बरामद हुआ।

घटनास्थल वॉल्टरगंज थाना क्षेत्र की गणेशपुर चौकी के अंतर्गत आता है, जबकि किशोरी का गांव मुंडेरवा थाना क्षेत्र में है। अंजलि ने किन परिस्थितियों में नदी में छलांग लगाई थी, इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

34 केंदों पर शुरू हुई पीईटी परीक्षा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) जिले 34 केंदों पर शुरू हुई। पहली पाली में 13,008 अभ्यर्थी शामिल पंजीकृत हैं। यह सुबह 10 से शुरू हुई, जो दोपहर 12.05 बजे तक चली। पहली पाली में केंद्रों पर सुबह आठ बजे से अभ्यर्थियों को प्रवेश देना शुरू हो गया था, जो 9.30 बजे तक जारी रहा। परीक्षा को नकलविहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए केंद्र के प्रवेश द्वार पर सघन तलासी अभियान चला। यह परीक्षा श्रीकृष्ण पांडेय इंटर कॉलेज, एपीएनपीजी कॉलेज, बेगम खैर गर्ल्स इंटर कॉलेज, हंसराज लाल इंटर कॉलेज, किसान इंटर कॉलेज, सक्सेरिया इंटर कॉलेज, खैर इंटर कॉलेज, महिला महाविद्यालय व शिव हर्ष किसान डिग्री कॉलेज समेत अन्य विद्यालयों को परीक्षा केन्द्रों पर शुरू हुई। सुबह से ही परीक्षार्थी शहर में पहुंचने लगे थे। जगह–जगह पुलिस व यातायात पुलिस के जवान परीक्षार्थियों को केंद्रों की जानकारी देते रहे। शहर के मुख्य मार्ग पर परीक्षार्थियों के बड़े वाहन को छोड़ कर अन्य वाहनों का प्रवेश रोक दिया गया था। सुबह से केंद्रों पर तैनात मजिस्ट्रेट संसाधनों की व्यवस्था करते रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने काशी में किया गारमेंट फैक्टरी का लोकार्पण

वाराणसी (आभा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में गारमेंट फैक्टरी का लोकार्पण किया। इससे पूर्वांचल के हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। यह औद्योगिक इकाई करीब 150 करोड़ रुपये की लागत से 7–8 एकड़ में बना है। उन्होने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा किया और मिर्जामुराद के खोचवां में अहमदाबाद गुजरात की कपड़ा निर्माता कंपनी अरविंद लिमिटेड की नई औद्योगिक इकाई का लोकार्पण किया। यह इकाई करीब 150 करोड़ रुपये की लागत से 7–8 एकड़ में बना है।

इस औद्योगिक संयंत्र से स्थानीय ही नहीं, पूर्वांचल के हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता दी गई है, जिनमें से 300 से अधिक की भर्ती हो चुकी है। इन महिलाओं को इकाई में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह पहल कपड़ा और परिधान निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगी।

पूर्वांचल में अरविंद मिल्स का यह पहला बड़ा विनिर्माण संयंत्र है। यहां खेल परिधान, अंतर्वस्त्र आदि कपड़ों का उत्पादन होगा। इस प्लांट में जॉकी, यूएस पोलो और एरो जैसे ब्रांड्स के उत्पाद बनेंगे।

अरविंद मिल्स सिर्फ कपड़ा बनाने वाली कंपनी नहीं है। यह धागे और कपड़े से लेकर तैयार वस्त्रों तक का कारोबार करती है। कंपनी औद्योगिक इस्तेमाल के विशेष वस्त्र भी बनाती है। इसकी शुरुआत 1931 में हुई थी और इसका मुख्यालय अहमदाबाद, गुजरात में है। यह डेनिम, सूती व लिनेन के कपड़े, सादे कपड़े और सूट के लिए फैब्रिक उपलब्ध कराती है।

लोकार्पण के बाद प्रधानमंत्री ने मिल के पदाधिकारियों से कपड़ों और खादी सामग्री की जानकारी ली। उन्होंने 'अपना हुनर अपनी पहचान' के तहत कामगार महिलाओं से संवाद किया।

इस दौरान राज्यपाल आनन्दीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ पर पूर्व जज कौल ने लगाये आरोप

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज संजय किशन कौल ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ पर जजों की नियुक्ति के मामले में सरकार के प्रति जरूरत से ज्यादा नरम रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने कॉलेजियम को सरकारी दबाव का विरोध करने की सलाह दी। पीएमएलए मामले को दूसरी पीठ में भेजने पर भी सवाल उठाए गए हैं।

कौल का आरोप है कि जजों की नियुक्ति के मामले में चंद्रचूड़ सरकार के प्रति जरूरत से ज्यादा नरम थे।

उन्होंने कहा कि कॉलेजियम को सरकार के दबाव का विरोध करना चाहिए, ताकि न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनी रहे।

पूर्व न्यायाधीश संजय किशन कौल ने अपनी आने वाली किताब विदाउट फियर ऑर फेवर में सुप्रीम कोर्ट में जजों की नियुक्ति से जुड़ी एक घटना का जिक्र किया है। उनके मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट में छह खाली पदों को भरने के लिए कॉलेजियम की बैठक होनी थी। इससे पहले पांच नामों पर सहमति बन चुकी थी। कौल का दावा है कि तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने आखिरी समय में छठे नाम का प्रस्ताव रखा और सरकार की राय जानने के लिए फोन करने पर विचार किया। कौल ने कहा कि उन्होंने इस नाम पर असहमति जताई थी और उन्हें लगता था कि कॉलेजियम के दूसरे सदस्य भी इसे स्वीकार नहीं करेंगे।

दुष्कर्म और साजिश के मामले में नगर पंचायत अध्यक्ष धीरसेन निषाद दोषमुक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विशेष न्यायाधीश एससी–एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम राम करन यादव की अदालत ने दुष्कर्म और साजिश के मामले में नगर पंचायत अध्यक्ष धीरसेन निषाद और मायाराम पाठक को सबूतों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया।

वहीं, मुकदमे की सुनवाई के दौरान महिला के इस बयान को आधार बनाते हुए कि उन्होंने सरकारी अनुदान पाने के लिए प्राथमिकी दर्ज कराई थी, अदालत ने उन्हें दिए गए तीन लाख रुपये के प्रतिकर की वसूली कर सरकारी खजाने में जमा कराने का आदेश जिला समाज कल्याण अधिकारी, बस्ती को दिया है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, रुधौली थाना क्षेत्र की एक महिला ने 27 अगस्त 2023 को धीरसेन निषाद और मायाराम पाठक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि मायाराम पाठक ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनकी मुलाकात धीरसेन निषाद से कराई थी। इसके बाद नौकरी दिलाने के बहाने उनके साथ दुष्कर्म किया गया। महिला ने आरोप लगाया था कि नौकरी मिलने के बाद भी उनका शारीरिक शोषण किया गया और विरोध करने पर उन्हें प्रताड़ित किया गया।

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने महिला के मोबाइल फोन में हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग को जांच के लिए भेजा था। हालांकि, अदालत ने माना कि केवल आवाज के नमूनों का मिलान होने से दुष्कर्म का आरोप साबित नहीं होता। सुनवाई के दौरान गवाहों के बयानों से भी आरोपों की पुष्टि करने वाले पर्याप्त सबूत नहीं मिले। इसके बाद अदालत ने दोनों आरोपियों को भारतीय दंड संहिता की धारा 376, 120बी और एससी–एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(2)(वी) के आरोपों से दोषमुक्त कर दिया।

मुकदमे की सुनवाई के दौरान जिरह में महिला ने बयान दिया था कि उन्हें सरकार से तीन लाख रुपए मिले थे और सरकारी अनुदान पाने के लिए उन्होंने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस बयान के आधार पर अदालत ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को नियमानुसार प्रतिकर की राशि वसूलकर सरकारी खजाने में जमा कराने का निर्देश दिया है। साथ ही, अदालत ने फैसले की प्रति जिला समाज कल्याण अधिकारी को भेजने का आदेश भी दिया है।

जयन्ती पर अगौना में याद किये गये आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हिन्दी साहित्य के महान आलोचक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की जयंती उनकी जन्मभूमि अगौना स्थित आचार्य रामचन्द्र शुक्ल बालिका इंटर कॉलेज में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाई गई। इस दौरान जयंती एवं स्मृति समारोह, विचार गोष्ठी और कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। छात्राओं की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और कवियों की रचनाओं ने लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल और विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक अंबिका सिंह ने आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। डॉ. केपी मिश्र ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि महेश शुक्ल, पूर्व विधायक अंबिका सिंह और नागेश्वर सिंह राना ने कहा कि आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने अगौना की माटी से निकलकर हिन्दी साहित्य में देश–विदेश तक अपनी विशिष्ट पहचान बनाई।

उनका साहित्यिक योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके विचार और रचनाएं आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं ने विभिन्न प्रस्तुतियों से अपनी प्रतिभा दिखाई।

धीरेन्द्र शास्त्री की कथा कराने का संकल्प लेने वाले पैड़ा वाले बाबा ने खाया जहर: मेडिकल कॉलेज रेफर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पैड़ा वाले बाबा ने अपने आश्रम में फेसबुक लाइव आकर जहर खा लिया। उनके मुंह से खून निकलने लगा। हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। पैड़ा वाले बाबा ने बस्ती में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री की कथा कराने का संकल्प लिया था। वह पदयात्रा कर बागेश्वर धाम भी गए थे। कथा के लिए वह भिक्षा मांगकर पैसे भी जुटा रहे थे।

इस बीच पहल संस्था के संस्थापक मनीष मिश्रा ने धीरेंद्र शास्त्री की कथा कराने का ऐलान कर दिया। इसके बाद पैड़ा वाले बाबा ने जहर खा लिया। घटना वाल्टरगंज थाने की रविवार सुबह 9 बजे की है। फेसबुक पर लाइव आकर पैड़ा वाले बाबा ने कहा कि मैं रहूं या ना रहूं, कथा होनी चाहिए।

पैड़ा वाले बाबा का असली नाम गोविंद दास (24) है। वह पैड़ा के रहने वाले हैं। परिवार में पिता गिरधारी लाल, मां ज्ञानमति, 3 भाई और 3 बहनें हैं। पिता रिक्शा चलाते हैं। बड़े भाई अरविंद कुमार इलेक्ट्रिशियन हैं, जबकि दूसरे नंबर के भाई रविंद्र कुमार लखनऊ में फर्नीचर का काम करते हैं। 2 बहनों की शादी हो चुकी है। एक छोटी बहन रागिनी है। पैड़ा वाले बाबा ने डी. फार्मा किया है। पिछले 4 सालों से वह गांव में ही हनुमान जी की पूजा कर रहे हैं। घर के बगल में ही टीन शेड डालकर आश्रम बनाया है। हर रविवार को दरबार लगाते हैं।

गांववालों ने बताया कि इससे पहले यहां पर उन्होंने मजार बना रखी थी। हिंदूवादी संगठनों के संपर्क में आने के बाद उन्होंने खुद हथौड़े से मजार को तोड़ डाली थी। फिर वहीं पर हनुमान जी की पूजा करने लगे थे। मजार तोड़ने के बाद बाबा ने आरोप लगाया था कि उन्हें मुस्लिम समाज की ओर से धमकियां मिल रही हैं। दिसंबर– 2025 में बाबा के घर के बाहर खड़ी स्कॉर्पियो को कुछ लोगों ने जला दिया था। इसकी उन्होंने शिकायत भी की थी।

मई–जून में पैदल यात्रा कर पैड़ा वाले बाबा धीरेंद्र शास्त्री से मिले थे। उनका दावा है कि धीरेंद्र शास्त्री ने कथा करने का आश्वासन दिया था।

खरगे के कार्यक्रम में हंगामा: बोले मोदी का बाप भी जायेगा

पटना (आभा)। बिहार की राजधानी पटना में एक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा में हंगामा हो गया। एक शख्स ने चिल्लाते हुए कहा कि पीएम मोदी कहीं नहीं जाएंगे। इस पर भड़कते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 'मोदी का बाप भी जाएगा.. बाप भी जाएगा मोदी का। इस हंगामे के बाद आस पास मौजूद कांग्रेस समर्थकों ने वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगाने शुरू कर दिए और प्रदर्शन कर रहे शख्स को भी सभागार से बाहर निकाल दिया गया।

पटना में डॉ. श्री कृष्ण सिंह की

139वीं जयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में भाषण दे रहे खरगे ने केंद्र सरकार और पीएम मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के ऊपर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार मोदी और आरएसएस के इशारे पर काम करते हैं। इसी भाषण के दौरान, सभागार में मौजूद एक व्यक्ति ने हंगामा करना शुरू कर दिया। इस हंगामे को थोड़ी देर देखने के बाद खरगे ने उसकी तरफ ध्यान दिया। इसी दौरान शख्स ने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जाएंगे। इसका जवाब देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने जोरदार तरीके से फटकार लगाई। उन्होंने कहा, 'मोदी का बाप भी जाएगा।' इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस अनचाहे मेहमान की सभागार में ही पिटाई करनी शुरू कर दी। हालांकि, कांग्रेस अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से शांत रहने की अपील की।

देवी प्रतिमाओं का विसर्जन 26 को: नगरपालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने किया तैयारियों का निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार 26 अक्टूबर को देवी प्रतिमाओं के मूर्ति विसर्जन को देखते हुए नगर पालिका परिषद की ओर से रविवार को अमहट घाट पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और घाट पर स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण बना रहे, इसके लिए नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने अधिकारियों, कर्मचारियों को निर्देश दिया।

नगर पालिका परिषद बस्ती की अध्यक्ष श्रीमती नेहा वर्मा, अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं भाजपा नेता अंकुर वर्मा तथा अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता की मौजूदगी में अमहट घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान विवेक श्रीवास्तव, दुर्गेश त्रिपाठी और शुभम यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मूर्ति विसर्जन को व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से साफ–सफाई, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे और पेयजल सहित आवश्यक सुविधाओं पर जोर दिया जा रहा है। घाट पर स्वच्छता बनाए रखने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा

–अमहट घाट पर विर्सजन, मार्ग, पथ प्रकाश की तैयारियां पूरी: सीसीटीवी कैमरे से होगी निगरानी

रहा है, ताकि विसर्जन के दौरान लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

भाजपा नेता एवं अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने कहा कि धार्मिक आस्था से जुड़े आयोजनों में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं, नागरिकों से आग्रह किया कि घाट पर स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें और पूजा सामग्री व अन्य कचरा इधर–उधर न फैलाएं।

अधिशासी अधिकारी अंगद गुप्ता ने कहा कि मूर्ति विसर्जन को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका की ओर से आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया गया है। साफ–सफाई, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे और पेयजल जैसी सुविधाएं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित कर्मचारियों के माध्यम से व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि विसर्जन के दौरान घाट पर स्वच्छता और व्यवस्था बनी रहे।

वेद प्रकाश अध्यक्ष, रामभारत यादव महामंत्री घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को राजकीय वाहन चालक महासंघ का द्विवार्षिक अधिवेशन और पदाधिकारियों का चुनाव कृषि भवन सभागार में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में वक्ताओं ने महासंघ की मांगों को पूरा किये जाने, 2400 पे ग्रेड दिये जाने, पुरानी पेंशन बहाल करने, आठवा वेतन आयोग लागू किये जाने आदि मांगों को प्रमुखता से उठाया। दूसरे चरण में चुनाव अधिकारी चन्द्र प्रकाश पाण्डेय और श्यामधर सोनी की देख रेख में हुये चुनाव में सर्व सम्मत से वेद प्रकाश मिश्र अध्यक्ष, रामभारत यादव महामंत्री, पूरन शुक्ल, मो. अशफाक उपाध्यक्ष, रूद्र प्रताप संयुक्त मंत्री, शहजाद अली संगठन मंत्री, प्रेमशंकर चौरसिया कोषाध्यक्ष, नरेन्द्रदेव मिश्र संरक्षक, जीत बहादुर प्रचार मंत्री घोषित किये गये।

कार्यकारिणी में मो. सलीम, हीरालाल, कौशल सिंह, अभिषेक सिंह,

–राजकीय वाहन चालक महासंघ के अधिवेशन में गूंजा आठवे वेतन आयोग का मुद्दा

मुबारक अली, महेन्द्र चौधरी, हरिश्चन्द्र चौधरी, इकबाल अहमद को शामिल किया गया।

कर्मचारी नेता अतुल कुमार पाण्डेय ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए कहा कि राजकीय वाहन चालकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। पदाधिकारी कर्तव्य पालन के साथ ही अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करें। जिससे पुरानी पेंशन नीति बहाल होने के साथ ही अन्य अधिकार मिले।

द्विवार्षिक अधिवेशन में मुख्य रूप से राजेश शुक्ल, फूलचन्द, जीशान अली, मृत्युजय यादव, मनोज कुमार, पृथ्वीराज, चिन्तामणि, गुलाब के साथ ही अनेक राजकीय वाहन चालक उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर याद किये गये प्रथम सांसद उदयशंकर दूबे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बस्ती मण्डल के प्रथम सांसद गांधी कला भवन के साथ ही अनेक शैक्षणिक संस्थाओं के संस्थापक उदयशंकर दूबे को उनके 59 वें पुण्य तिथि पर याद किया गया। कला प्रसार समिति के सचिव एवं कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष हरिस्वरूप दूबे के संयोजन में सोनूपार तिराहे पर स्थापित शिलापट पर उदयशंकर दूबे को नमन् करने के बाद कांग्रेस कार्यालय कटेश्वरपार्क में संगोष्ठी आयोजित कर उनके योगदान पर विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष देवानन्द पाण्डेय, सेवादल जिलाध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ अधिवक्ता अमरनाथ शुक्ल ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं प्रथम सांसद उदयशंकर दूबे ने अनेक शैक्षणिक संस्थाओं के साथ ही गांधी कला भवन का निर्माण

कराया। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से सूर्यकान्त त्रिपाठी, राजकुमार श्रीवास्तव, राजेश चौहान, विवेक पाल, विजय त्रिपाठी, नीरज त्रिपाठी, ओम जी शुक्ल, कृष्णा दूबे आदि ने प्रथम सांसद उदयशंकर दूबे के व्यक्तित्व, कृतित्व पर प्रकाश डालते हुये उन्हें नमन् किया। कार्यक्रम में शिवाकान्त तिवारी, विश्म्भर पाण्डेय, रमेश, पूजा चौधरी, रश्मि दूबे, पूनम शुक्ला, अरविन्द तिवारी, निशा, प्रियंका, शान्हवी, अक्षय, उदय, यजत आदि शामिल रहे।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 26 अक्टूबर 2026 सोमवार

सम्पादकीय

चीन की कुदृष्टि

ब्रिक्स समेत कई अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर लगातार मैत्री की बात करने वाले चीन द्वारा एलएसी पर तनाव पैदा करने की खबरें चिंता बढ़ाने वाली हैं। अरुणाचल बॉर्डर पर भारत व चीन के आमने–सामने होने की खबरों के सामने आने के बाद इस मुद्दे पर सियासत भी तेज हो गई है। दरअसल, भारत–तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले कुछ समय से अरुणाचल प्रदेश में आईटीबीपी के जवान व पीएलए के सैनिक आमने–सामने आए हैं। यह स्थिति बदली नहीं है। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस व विपक्ष ने केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। विपक्ष द्वारा इस मुद्दे को लेकर सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाये जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस वर्ष जुलाई में उत्तर–पूर्वी सीमा पर तनाव शुरू होने के उपरांत पहली बार आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि हुई है। बताते हैं कि अरुणाचल प्रदेश में सुबनसिरी जिले के असाफिला और माजा इलाके में यह तनाव बना हुआ है। वहीं सीमा पर तनाव के खुलासे और विपक्षी हमलों के बाद विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा कहा गया है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा से जुड़े विवादों को सुलझाने के लिये दोनों देश लगातार प्रयासरत हैं। दोनों पक्ष महसूस करते हैं कि भारत–चीन के बेहतर रिश्ते सीमा की शांति पर ही निर्भर करते हैं। बहरहाल, अरुणाचल को भारतीय संप्रभु हिस्से के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मान्यता के बावजूद उसे दक्षिण तिब्बत कहना चीन के नापाक इरादों को ही दर्शाता है। वहीं आईटीबीपी के हालिया खुलासे में इस बात का भी जिक्र हुआ कि जुलाई से अब तक दोनों देशों के बीच तीन उच्चस्तरीय बैठकें हुई हैं, लेकिन तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जबकि इस दौरान ब्रिक्स सम्मेलन में भाग लेने के लिये चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत भी आ चुके हैं। यही वजह है कि कांग्रेस आरोप लगा रही है कि जुलाई से सीमा पर तनाव होने की खबरों को देश से छिपाया गया है।

निःस्संदेह, भारत व चीन के बीच साढ़े तीन हजार किलोमीटर लंबी सीमा से जुड़े विवादों को लेकर देश चिंतित रहा है। भारतीयों के दिलों में 1962 के चीनी हमले के जख्म अभी भरे नहीं हैं। ‘मुंह में राम और बगल में छुरी’ की चीन की नीति पर भरोसा करना संभव भी नहीं है। हाल के वर्षों में गलवान का छल देशवासियों को याद है, जब हमने अपने बीस वीर जवानों को खोया था। वहीं भारत तिब्बत सीमा पुलिस के डीजी शत्रुजीत कपूर ने वार्षिक हिमवीर सम्मान समारोह के दौरान कहा था कि अरुणाचल सीमा पर तनाव के दौरान आईटीबीपी के कमांडो मुस्तैद रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी नई गठित शौर्य कमांडो टीमों ने इस दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राजस्थान के अलवर स्थित सेंट्रल ट्रेनिंग कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में कपूर ने चीन की उन्नत सैन्य तकनीकों के मुकाबले के लिये आधुनिक हथियारों की जरूरत भी बतायी। उन्होंने स्वीकार किया कि पारंपरिक हथियारों व तरीकों से चीन का मुकाबला करना मुश्किल होगा। चीन ने बुनियादी ढांचे और हथियारों के आधुनिकीकरण में भारी निवेश किया है। आईटीबीपी के डीजी ने आधुनिक युद्धों के तौर –तरीकों में आ रहे बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि आज ड्रोन जैसी तकनीक से छोटे देश भी बड़े देशों का मुकाबला कर रहे हैं। उन्होंने ईरान द्वारा अमेरिका का मुकाबला करने तथा यूक्रेन द्वारा रूस को पहुंचाये जा रहे बड़े नुकसान का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि आईटीबीपी के आधुनिकीकरण के लिये चार हजार करोड़ का बजट बनाया गया है। जिसमें से एक हजार करोड़ रुपये ड्रोन शक्ति बढ़ाने पर खर्च किए जाएंगे। जिसमें एंटी ड्रोन सिस्टम मजबूत करना भी शामिल हैं। जिसके लिए ड्रोन प्लाटून बनायी गई हैं। वहीं ड्रोन पायलटों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही अपने ड्रोन खुद बनाने पर काम चल रहा है। इसके अलावा भूमिगत शेल्टर बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। आने वाले समय में भूमिगत ढांचे स्थायी सुरक्षा व्यवस्था का हिस्से होंगे। निस्संदेह, भविष्य में गलवान जैसा संघर्ष सामने न आए, उसके लिये अभी से तैयारी करने की जरूरत है।

खिलौनों की बदलती दुनियां

दुनिया भर में बच्चों के लिए खिलौनों की भरमार है। व्यावसायिक दृष्टि, विचार, तकनीक और प्रबंधन ने बचपन के लिए दिलचस्प और महंगे खिलौने ईजाद किए हैं। बच्चा जब अपने हाथ–पांव चलाना शुरू करता है, तब उसकी सबसे करीबी साथी और प्रिय खिलौना वास्तव में मां ही होती है। उसके बाद घर के दूसरे सदस्यों की भूमिका रहती है। संयुक्त परिवारों में बच्चे अपने परिवार के सदस्यों के साथ बतियाते, खाते–खेलते कब बड़े हो जाते थे, पता भी नहीं चलता था। ऐसी स्थिति में आमतौर पर खिलौनों की जरूरत नहीं पड़ती थी।

कालक्रम में जब अभिभावक बढ़ती व्यस्तताओं के कारण बच्चों के लिए समय नहीं निकाल पाते होंगे, तो खिलौनों का जन्म हुआ होगा। पहले घर में उपलब्ध पुरानी वस्तुओं या सामग्री से बच्चों के खेलने के लिए खिलौने जैसी चीजें बना दी जाती थीं। बच्चे उनसे खेलते और खुश रहते थे। इस क्रम में जिस बच्चे के सामने खिलौना बनाया जाता था, वह कुछ न कुछ सीखता भी था और बड़ा होकर दूसरों के लिए वैसा ही बनाने की कोशिश करता था। उसकी कल्पना और प्रयास से कुछ नया और बेहतर बनने की संभावना बनी रहती थी। खिलौने सबसे पहले मिट्टी, कपड़े और लकड़ी से बनाए गए होंगे। अब तो ज्यादातर खिलौने प्लास्टिक से बनाए जा रहे हैं। लकड़ी और मिट्टी के खिलौनों का चलन बहुत कम रह गया है।

दरअसल, अब खिलौनों की दुनिया में तकनीक का असर बहुत ज्यादा हो गया है। बाजार में बच्चों की उम्र के महीनों के हिसाब से खिलौने उपलब्ध हैं, जिनमें बैटरी से चलने वाले खिलौनों की संख्या बढ़ती जा रही है। चाबी से चलने वाले खिलौने कम हो रहे हैं। रोबोट और रिमोट से नियंत्रित होने वाले खिलौनों की भरमार होती जा रही है। फिल्मी और कार्टून पात्र अब बच्चों के पसंदीदा खिलौनों में शामिल हो रहे हैं।

निर्माता खिलौनों पर बाकायदा यह अंकित कर रहे हैं कि कोई खिलौना किस उम्र के बच्चों के लिए है। मगर वास्तव में ऐसा हो नहीं पाता। समझदार अभिभावक बच्चों के लिए उपयुक्त खिलौना खरीद लेते हैं, लेकिन जन्मदिन पर ऐसे खिलौने भी आ जाते हैं, जो उपहार देने वालों के घरों में पहले से आए होते हैं और किसी को देने के लिए संभालकर रख लिए गए होते हैं। इस तरह बचपन में समय से पहले अनुपयुक्त खिलौने प्रवेश कर जाते हैं।

बच्चों की फरमाइश, अभिभावकों, रिश्तेदारों और पारिवारिक मित्रों के कारण खिलौनों की संख्या बढ़ती रहती है। इनमें अनुपयुक्त और अवांछित खिलौने भी शामिल होते हैं। खिलौने बढ़ते जा रहे हैं। बाजार का विस्तार उनकी संख्या और किस्मों को और बढ़ाता रहेगा। साफ दिखता है कि इस मामले में सही और गलत की पहचान करने और उसके आधार पर बच्चों को खिलौनों के साथ जीना सिखाने के बारे में विचार किया जाना चाहिए।

75 वर्षों का चुनावी सफर: बदलता भारत, बदलता मतदाता

-अखिल कुमार यादव-

भारत में चुनाव के 75 वर्ष पूरे होने का अवसर केवल एक ऐतिहासिक पड़ाव का उत्सव मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की उपलब्धियों, चुनौतियों और भविष्य की दिशा पर गंभीर आत्ममंथन करने का भी समय है। वर्ष 1951–1952 में संपन्न हुए भारत के प्रथम आम चुनाव से लेकर आज तक देश ने लोकतांत्रिक यात्रा के अनेक उतार–चढ़ाव देखे हैं। इस दौरान सत्ता परिवर्तन हुए, राजनीतिक दलों का उदय और पतन हुआ, नई सामाजिक शक्तियाँ राजनीति के केंद्र में आईं और करोड़ों नागरिकों ने अपने मताधिकार के माध्यम से देश की दिशा निर्धारित करने में भागीदारी की। यह यात्रा बताती है कि भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति किसी एक सरकार, राजनीतिक दल या नेता में नहीं, बल्कि उस नागरिक में निहित है, जिसके मत से सत्ता को वैधता प्राप्त होती है।

लेकिन 75 वर्षों की इस यात्रा का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं किया जा सकता कि कितने चुनाव हुए और कितनी सरकारें बनीं। असली सवाल यह है कि क्या लोकतंत्र अपने मूल उद्देश्योंकृराजनीतिक समानता, सामाजिक न्याय, स्वतंत्रता, गरिमा और जनभागीदारी को साकार करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है?

भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद जिस लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपनाया, वह अपने समय में एक ऐतिहासिक प्रयोग था। देश विभाजन की त्रासदी से गुजर चुका था। गरीबी, अशिक्षा, सामाजिक विषमता और प्रशासनिक कठिनाइयाँ व्यापक थीं। दुनिया के अनेक हिस्सों में लोकतांत्रिक अधिकारों का विस्तार सीमित था, जबकि भारत ने अपने संविधान के माध्यम से वयस्क नागरिकों को बिना जाति, धर्म, लिंग या संपत्ति के भेदभाव के मतदान का अधिकार प्रदान करने का निर्णय लिया। यह निर्णय केवल चुनाव कराने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि सदियों से सामाजिक और आर्थिक असमानताओं का सामना कर रहे लोगों को राजनीतिक समानता प्रदान करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम था। भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद इसी विश्वास पर रखी गई कि देश का भविष्य निर्धारित करने का अधिकार किसी विशेष वर्ग या समुदाय के पास नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के पास होगा। भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना 25 जनवरी, 1950 को हुई और प्रथम आम चुनाव 1951–1952 में संपन्न हुए। उस समय देश के दूरदराज के क्षेत्रों तक मतदान की व्यवस्था पहुँचाना, मतदाता सूचियाँ तैयार करना, उम्मीदवारों की पहचान के लिए चुनाव चिह्नों का उपयोग करना और व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य था। इसके बावजूद भारत ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अपनाया और उसे निरंतर आगे बढ़ाया। समय के साथ मतदाता पहचान पत्र, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, मतदान प्रक्रिया में तकनीक का उपयोग और मतदाता जागरूकता के अनेक प्रयास चुनावी व्यवस्था का हिस्सा बने। वर्ष 1989 में मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की गई, जिससे युवाओं को राजनीतिक प्रक्रिया में भागीदारी का अवसर मिला। वर्ष 2004 के आम चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का देशव्यापी इस्तेमाल हुआ और वर्ष 2013 में उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के बाद नोटा अर्थात इनमें से कोई नहीं का विकल्प चुनावी प्रक्रिया में शामिल हुआ। ये परिवर्तन भारतीय चुनाव व्यवस्था के विकास की महत्त्वपूर्ण कड़ियाँ हैं।

हालाँकि, चुनावी प्रक्रिया में तकनीकी विकास और लोकतांत्रिक व्यवस्था की निरंतरता के साथ यह समझना भी आवश्यक है कि लोकतंत्र का वास्तविक मूल्यांकन केवल चुनाव कराने की क्षमता से नहीं होता। चुनाव लोकतंत्र का आवश्यक आधार है, लेकिन उसकी संपूर्णता नहीं। लोकतंत्र की गुणवत्ता इस बात से भी तय होती है कि नागरिक कितनी स्वतंत्रता से अपनी राय व्यक्त कर सकते हैं, चुनावी प्रतिस्पर्धा कितनी निष्पक्ष है, सरकारी संस्थाएँ कितनी जवाबदेह हैं और आम नागरिक की समस्याओं पर शासन कितनी संवेदनशीलता से प्रतिक्रिया देता है। यदि नागरिक मतदान तो कर सके, लेकिन चुनाव के बाद अपनी शिकायतों के समाधान के लिए भटकता रहे, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था के सामने जवाबदेही का प्रश्न खड़ा होता है। इसलिए चुनाव के 75 वर्षों का अमृत महोत्सव उपलब्धियों की सराहना के साथ–साथ उन कमियों को पहचानने का अवसर भी होना चाहिए, जिन्हें दूर किए बिना लोकतंत्र को अधिक समावेशी नहीं बनाया जा सकता। भारतीय संविधान की मूल भावना को समझने के लिए डॉ. भीमराव आंबेडकर की उस चेतावनी को याद करना आवश्यक है, जो उन्होंने 25 नवंबर, 1949 को संविधान सभा में अपने अंतिम भाषण के दौरान दी थी। उन्होंने राजनीतिक लोकतंत्र और सामाजिक–आर्थिक असमानता के बीच मौजूद विरोधाभास की ओर ध्यान दिलाया था। उनका आशय था कि यदि राजनीतिक जीवन में समानता स्थापित हो जाए, लेकिन सामाजिक और आर्थिक जीवन में असमानता बनी रहे, तो लोकतंत्र के सामने गंभीर चुनौती पैदा हो सकती है। भारत ने प्रत्येक वयस्क नागरिक को एक मत का समान अधिकार देकर राजनीतिक समानता की मजबूत नींव रखी, लेकिन आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आर्थिक अवसर और सामाजिक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में असमानताएँ लोकतांत्रिक विमर्श का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हैं। यही कारण है कि लोकतंत्र की सार्थकता का प्रश्न केवल इस बात तक सीमित नहीं होना चाहिए कि किसे कितने मत मिले, बल्कि यह भी होना चाहिए कि शासन की नीतियाँ समाज के विभिन्न वर्गों के जीवन में किस प्रकार का परिवर्तन ला रही हैं।

क्यों धधक रहा है फ्रांस और यूरोपीय देश?

—कमलेश पाण्डेय—

यूरोप में हिंसक विरोध–प्रदर्शनों, दंगों, आगजनी और पुलिस के साथ टकराव को केवल कानून–व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं समझा जा सकता। चूंकि इसके पीछे आर्थिक असंतोष, सामाजिक विभाजन, आव्रजन और एकीकरण की बहस, राजनीतिक ध्रुवीकरण, युवाओं में भविष्य को लेकर चिंता तथा पुलिस और नागरिकों के बीच विश्वास का संकट जैसे कई कारक हो सकते हैं।

लेकिन एक बुनियादी अंतर समझना जरूरी है, वह यह कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, जबकि आगजनी, लूटपाट, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और लोगों पर हमले अपराध हैं। किसी प्रदर्शन में हिंसा होने का अर्थ यह नहीं कि उसमें शामिल हर व्यक्ति हिंसक है या पूरा समुदाय उसके लिए जिम्मेदार है। शायद इसी भ्रम में देश के देश जल रहे हैं और पुलिस तत्काल बहुत कुछ कर नहीं पाती। इससे आत्ताइयों के हौसले बुलंद हैं और लोकतांत्रिक सोच अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है। भले ही फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों की परिस्थितियाँ भी एक जैसी नहीं हैं। इसलिए यह देखना आवश्यक है कि अशांति किन कारणों से भड़कती है, पुलिस की कार्रवाई कहाँ कठिन हो जाती है और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करते हुए हिंसा रोकने के लिए कौन–से उपाय प्रभावी हो सकते हैं।

सवाल है कि अक्टूबर 2026 में फ्रांस में वास्तव में क्या हो रहा है? तो जवाब होगा कि फ्रांस में सितंबर के अंत से शुरू हुआ छात्र आंदोलन अक्टूबर में व्यापक अशांति में बदल गया। प्रारंभिक असंतोष स्कूलों की खराब सुविधाओं, शिक्षकों की कमी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों को लेकर था। बाद में महँगाई, जीवन–यापन की बढ़ती लागत और सार्वजनिक सेवाओं की स्थिति जैसे मुद्दे भी आंदोलन से जुड़ गए।

आखिर पेरिस सहित कई शहरों में लूटपाट, तोड़फोड़ और पुलिस से टकराव हुए। सरकार को बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात करने पड़े और कुछ क्षेत्रों में रात्रिकालीन कर्फ्यू प्रतिबंध लगाए गए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों और हिंसा के पूर्वानुमान में कमियों को भी स्वीकार किया।

इसी समय इटली में भी जीवन–यापन की लागत, कम वेतन और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ी शिकायतों के बीच प्रदर्शन हिंसक हुए। स्पेन और पुर्तगाल में आवास की समस्या को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। हालांकि, इन सभी घटनाओं के कारण और उनका स्वरूप अलग–अलग हैं। जब किराया, ऊर्जा, परिवहन और रोजमर्रा के खर्च बढ़ते हैं, लेकिन आय और रोजगार के अवसर उसी गति से नहीं बढ़ते, तो लोगों में व्यवस्था के प्रति नाराजगी बढ़ सकती है। युवाओं के लिए अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्र जीवन की संभावनाएँ सीमित महसूस होना इस असंतोष को और बढ़ा सकता है।

स्कूलों में शिक्षकों की कमी, जर्जर सुविधाएँ और स्थानीय सेवाओं की कमजोर स्थिति नागरिकों को यह महसूस करा सकती है कि उनकी समस्याओं को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं मिल रही। फ्रांस के हालिया आंदोलन में शिक्षा से जुड़ी शिकायतें शुरुआती मुद्दों में शामिल थीं।

कुछ शहरी और वंचित इलाकों में रोजगार, शिक्षा और सामाजिक उन्नति के अवसरों की कमी असंतोष को गहरा सकती है। यदि नागरिकों को लगता है कि संस्थाएँ उनकी बात नहीं सुनतीं या उनके साथ भेदभाव होता है, तो राज्य पर भरोसा कमजोर पड़ सकता है। लेकिन इसे हर उपद्रव का एकमात्र कारण मानना उचित नहीं होगा।

चौथा, राजनीतिक ध्रुवीकरण और आंदोलन का हिंसक हो जानारू किसी जायज मांग के साथ बड़ी संख्या में लोग शांतिपूर्वक जुट सकते हैं, लेकिन कुछ समूह उसी भीड़ का इस्तेमाल तोड़फोड़, लूटपाट या पुलिस को उकसाने के लिए कर सकते हैं। सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने वाली तस्वीरें और संदेश भी तनाव बढ़ा सकते हैं। आंदोलन की मांगों और हिंसा करने वाले व्यक्तियों की जिम्मेदारी को अलग–अलग समझना जरूरी है।

पाँचवाँ, आव्रजन और राष्ट्रीय पहचान पर विवादरू यूरोप के अनेक देशों में आव्रजन, शरणार्थियों के एकीकरण, राष्ट्रीय पहचान और सार्वजनिक संसाधनों के वितरण पर राजनीतिक बहस चलती रही है। ये विवाद ध्रुवीकरण बढ़ा सकते हैं, लेकिन फ्रांस की अक्टूबर 2026 की हिंसा के लिए किसी विशेष धार्मिक या प्रवासी समुदाय को जिम्मेदार ठहराने के पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं।

महत्त्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि आर्थिक असंतोष हिंसा की पृष्ठभूमि तैयार कर सकता है, लेकिन वह हिंसा को उचित नहीं ठहराता। इसी प्रकार, किसी अपराधी की पहचान या पृष्ठभूमि के आधार पर पूरे समुदाय को दोषी ठहराना भी तथ्यपरक समाधान नहीं है।

सवाल है कि उत्पाती और हिंसक भीड़ पर नियंत्रण में पुलिस क्यों पिछड़ जाती है? तो जवाब होगा कि यह इस पूरे संकट का सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू है। अक्टूबर 2026 की फ्रांसीसी घटनाओं में पुलिस की विफलता के कुछ ठोस कारण सामने आए हैं। इन्हें केवल पुलिस की कमजोरी या इच्छाशक्ति की कमी कह देना अधूरा विश्लेषण होगा।

एक, खुफिया आकलन और तैयारी में चूकरू फ्रांस में 17 अक्टूबर के प्रदर्शनों के लिए भीड़ का अनुमान वास्तविक संख्या से काफी कम रहा। आंतरिक मंत्रालय के शुरुआती अनुमान लगभग 60,000, 110,000 प्रदर्शनकारियों के थे, जबकि बाद में संशोधित अनुमान 200,000 तक पहुँचे और मंत्रालय ने वास्तविक उपस्थिति लगभग 550,000 बताई। यह सरकारी अनुमान है, स्वतंत्र रूप से सत्यापित अंतिम गणना नहीं। इतनी बड़ी भीड़ के बीच हिंसा करने वाले छोटे समूहों की पहचान और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा कठिन हो जाती है।

दो, पुलिस बल की तैनाती और संसाधनों का असंतुलनरू यदि कई शहरों में एक साथ हिंसा फैलती है, तो पुलिस को लोगों की सुरक्षा, दुकानों की रक्षा, यातायात नियंत्रण और हिंसक घटनाओं पर कार्रवाई जैसे अनेक काम करने पड़ते हैं। फ्रांस की हालिया घटनाओं में पुलिसकर्मियों की संख्या और तैनाती के समय को लेकर भी सवाल उठे।

तीन, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी और हिंसा करने वाले एक ही भीड़ मेंरूपुलिस के सामने यह कठिन चुनौती रहती है कि हिंसा करने वालों पर कार्रवाई करते हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और आसपास के आम नागरिकों को नुकसान से कैसे बचाया जाए। जल्दबाजी में की गई कार्रवाई तनाव बढ़ा सकती है, जबकि देर करने पर तोड़फोड़ और लूटपाट का दायरा बढ़ सकता है।

पुलिस की कठोर कार्रवाई के कानूनी और सामाजिक परिणामरू फ्रांस में प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग की आवश्यकता, उसकी आनुपातिकता और कुछ पुलिसकर्मियों के आचरण को लेकर जाँच चलती रही है। अक्टूबर में छात्र प्रदर्शनों से जुड़े मामलों में पुलिस के कथित अनुचित आचरण की 18 आंतरिक जाँचें शुरू होने की खबर आई। इसका अर्थ यह नहीं कि हर पुलिस कार्रवाई गलत थी। लेकिन बल का अनुचित प्रयोग नागरिकों का भरोसा घटा सकता है और तनाव बढ़ा सकता है।

पुलिस थकान, समन्वय और बदलती परिस्थितियाँरू लगातार कई दिनों तक आंदोलन चलने पर पुलिसकर्मियों की उपलब्धता, स्थानीय इकाइयों और विशेष प्रशिक्षित बलों के बीच समन्वय तथा बदलती परिस्थितियों के अनुसार रणनीति बदलने की क्षमता महत्त्वपूर्ण हो जाती है। फ्रांस की घटनाओं में इन पहलुओं पर भी सवाल उठे हैं।

सवाल है कि क्या पुलिस को और अधिक कठोर बना देना ही समाधान है? तो जवाब होगा कि नहीं, सवाल केवल कठोरता का नहीं बल्कि समय पर कार्रवाई, निश्चित जवाबदेही, कानून का समान अनुपालन और सही रणनीति का है। यूरोप की परिषद की संसदीय सभा की 2025 की रिपोर्ट में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच संवाद, मध्यस्थता, विशेष प्रशिक्षण, नागरिकों के भरोसे और बल के सीमित व आनुपातिक उपयोग पर जोर दिया गया था। रिपोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि कुछ आंदोलनों में संगठित हिंसक समूह शांतिपूर्ण विरोध को बिगाड़ सकते हैं।

ऋषि पुत्र भगवान वाल्मीकि

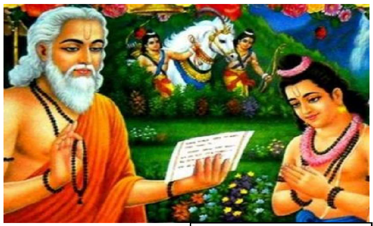

—प्रभाकर पाठक—

महर्षि वाल्मीकि संस्कृत रामायण के रचयिता हैं जो आदिकवि के रूप में प्रसिद्ध हैं। उन्होंने वाल्मीकीय रामायण की रचना की। महर्षि वाल्मीकि वैदिक ऋषि थे, उन का रचित रामायण ग्रंथ एक महाकाव्य है जो कि अयोध्या के महाराज श्रीराम के जीवन में सत्य व कर्तव्य से, परिचित करवाता है। आदिकवि शब्द ‘आदि’ और ‘कवि’ के मेल से बना है। ‘आदि’ का अर्थ ‘प्रथम’ और ‘कवि’ का अर्थ ‘काव्य का रचयिता’ होता है। माना जाता है कि महर्षि वाल्मीकि ने संस्कृत के प्रथम महाकाव्य के साथ संसार के पहले श्लोक भी कहे हैं जिस के पश्चात् ही रामायण की रचना हुई है। प्रथम संस्कृत महाकाव्य की रचना करने के कारण महर्षि वाल्मीकि आदिकवि हैं। महर्षि वाल्मीकि ने रामायण नामक ऐतिहासिक ग्रंथ रच के बड़ा उपकार किया है

रामलीला का मंच सजने से पहले हर साल एक परंपरा निभाई जाती है। कई रामलीला समितियां पंजाब के अमृतसर में बने भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल (राम तीर्थ) जाती हैं और वहां से पवित्र जल व अखंड ज्योति लेकर लौटती हैं। यह भगवान वाल्मीकि का आश्रम था, जहां माता सीता ने निवास किया और लव–कुश का जन्म हुआ। राम के चरित्र का मंचन उस भूमि के आशीर्वाद से शुरू होता है, जहां से राम कथा निकली। आश्विन पूर्णिमा को आने वाली वाल्मीकि जयंती इसी स्मरण का दिन है।

भगवान वाल्मीकि ऋषि प्रचेता के पुत्र हैं। ऋषि के घर जन्म लेने भर से उनका मार्ग आसान नहीं हुआ। उन्होंने इतनी कठोर तपस्या की कि उनके शरीर पर दीमक की बांबी, यानी वल्मीक, बन गई। इसी से वे ‘वाल्मीकि’ कहलाए। उनका जीवन बताता है कि साधना और संकल्प से मनुष्य अपनी पहली पहचान से आगे बढ़ सकता है। आज घर–घर में भगवान श्रीराम का नाम है, तो इसकी नींव वाल्मीकि की रामायण ने रखी। उन्होंने केवल घटनाएं नहीं दर्ज कीं। उन्होंने श्रीराम के जीवन को आदर्शों के रूप में सामने रखा– पिता के वचन के लिए राजपाट छोड़ देने का त्याग, वनवास के कष्टों में धैर्य,शबरी के जूठे बेर स्वीकार करने की विनम्रता शत्रु के प्रति भी मर्यादा, प्रजा के विश्वास को अपने सुख से ऊपर रखने की भावना। बाद में कई भाषाओं के कवियों ने राम को अपने ढंग से गाया, पर सबकी जड़ में वही आदिकाव्य है। इसीलिए भगवान वाल्मीकि को आदिकवि कहा जाता है। उन्होंने राम के जीवन आदर्शों को काव्य का रूप दिया।

वाल्मीकि केवल कथाकार नहीं थे। जब लोकापवाद के कारण माता सीता को वन जाना पड़ा, तब उन्हें आश्रय उनके आश्रम में मिला। जिस घड़ी में अपने भी दूर हो गए, उस घड़ी में एक ऋषि बिना किसी शर्त के सहारा बने। वहीं लव और कुश का जन्म हुआ। भगवान वाल्मीकि ने दोनों को शिक्षा, संस्कार और शस्त्र–विद्या दी। यही बालक आगे चलकर रामकथा का गान करते हुए अयोध्या पहुंचे। रचयिता का सिखाया गायन उन्हीं के शिष्यों के स्वर में लौटकर राम के दरबार तक पहुंचा।

उनके आश्रम में ऊंच–नीच का कोई भेद नहीं था। राजपुत्र और वनवासी बालक एक ही गुरु से सीखते थे। आज वाल्मीकि जयंती पर निकलने वाली शोभायात्राओं, पूजन, भजन–कीर्तन और रामकथा के आयोजनों में सभी वर्गों के लोग साथ दिखते हैं। यह उसी समरसता की झलक है, जो उनके आश्रम की पहचान थी।

जयंती केवल जयकारे लगाने और झांकियां निकालने का दिन नहीं है। भगवान वाल्मीकि ने श्रीराम के आदर्श इसलिए लिखे कि समाज उन्हें अपनाए। इसलिए हमें अपने आसपास देखना चाहिए कि कोई उपेक्षित तो नहीं, किसी के साथ भेदभाव तो नहीं हो रहा, किसी को सहारे की आवश्यकता तो नहीं। जिस परंपरा ने सीता को आश्रय दिया, उसे मानने वाले को दूसरों के लिए आश्रय बनना आना चाहिए। भगवान वाल्मीकि को इससे बड़ी श्रद्धांजलि कोई नहीं हो सकती।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सीएचसी के सरकारी आवास में गर्भवती महिला की गला दबाकर हत्या,तीन हिरासत में

संवाददाता—देवरिया। रुद्रपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के कर्मचारी आवास में एक गर्भवती महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में स्टाफ नर्स समेत तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। रविवार सुबह घटना से आक्रोशित मायके वालों ने कोतवाली पहुंचकर हंगामा किया। गोरखपुर जिले के सहजनवां थाना क्षेत्र के चांदबारी गांव निवासी 32 वर्षीय गुड़िया की शादी करीब पांच साल पहले देवरिया के एकौना थाना क्षेत्र के करहकोल गांव निवासी चमन लाल विश्वकर्मा से हुई थी। उनकी तीन साल की बेटी ज्ञानवी है। गुड़िया वर्तमान में गर्भवती थी। उसकी ननद पूर्णिमा रुद्रपुर सीएचसी में स्टाफ नर्स है। पूरा परिवार सीएचसी परिसर स्थित उसके सरकारी आवास में रहता था।

शनिवार देर रात करीब 12 बजे हुई घटना की सूचना रविवार रात करीब एक बजे पीआरवी—112 को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस को गुड़िया कमरे में बेड पर मृत मिली। उसके गले और सिर पर चोट के निशान बताए गए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मृतका की मां लालती देवी का आरोप है कि ससुराल पक्ष के लोग दहेज के लिए गुड़िया को लगातार प्रताड़ित करते थे। इस मामले में रिश्तेदारों के बीच दो बार पंचायत भी हुई थी। मां ने आरोप लगाया कि दहेज की मांग को लेकर ही उनकी बेटी की गला दबाकर हत्या की गई। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर ने बताया कि पीआरवी—112 के माध्यम से सीएचसी रुद्रपुर के कर्मचारी आवास में गुड़िया विश्वकर्मा पत्नी चमन लाल के मृत मिलने की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। स्टाफ नर्स समेत तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार, मौके पर शांति है।

डीएम व एसपी ने किया जिला जेल का निरीक्षण, बैरकों की जांच

संवाददाता—महराजगंज। डीएम गौरव सिंह सोगरवाल व एसपी शक्ति मोहन अवस्थी ने रविवार को जिला जेल का आकस्मिक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने जेल परिसर में सुरक्षा के मानकों की परख करते हुए बैरकों की जांच की। सुरक्षा की दृष्टि से की गई जांच में कोई आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई। आला अधिकारियों के इस निरीक्षण के दौरान जिला जेल की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया गया। निर्धारित नियमों एवं मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने की स्थिति की समीक्षा करते हुए जेल की व्यवस्था की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा कारागार की सुरक्षा व्यवस्था एवं परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस जांच में सबकुछ सामान्य मिला।डीएम व एसपी ने जिला जेल प्रशासन को सुरक्षा व्यवस्था के प्रति सतर्कता बनाए रखने, नियमित रूप से जांच करने, कारागार परिसर में अनुशासन एवं निगरानी सुनिश्चित करने का सख्त निर्देश दिया। साथ ही बंदियों को नियमानुसार आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा गया। इसके साथ ही कारागार की सुरक्षा एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाए रखने और निर्धारित नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने की हिदायत दी गई।

बरामदे में सो रहे युवक की धारदार हथियार से हत्या

संवाददाता—देवरिया। खुखुंदू थाना क्षेत्र के पिपरा खेमकरण गांव में शनिवार रात घर के बाहर बरामदे में सो रहे 21 वर्षीय युवक की हत्या कर दी गई। आरोप है कि कुछ लोगों ने धारदार हथियार और रॉड से उस पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जानकारी के अनुसार, संदीप पुत्र तेज बहादुर पेंटिंग का काम करता था। शनिवार रात करीब 11 बजे वह घर के बाहर बरामदे में सो रहा था। इसी दौरान कुछ लोगों ने उस पर धारदार हथियार और रॉड से हमला कर दिया। हमले में संदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने पट्टीदारी के एक युवक समेत कुछ अन्य लोगों पर संदीप की हत्या करने का आरोप लगाया है। हालांकि, हत्या के पीछे की वजह अभी सामने नहीं आई है। पुलिस परिजनों के आरोपों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। संदीप दो भाइयों में बड़ा था। उसकी मां का नाम गुद्दी देवी और पत्नी का नाम मुस्कान है। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

पीएम मोदी के 'मन की बात' की धूम, छोटे व्यापारियों की मदद का लिया संकल्प

संवाददाता—बहराइच। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' को रविवार को पूरे जिलेभर में सभी बूथों पर सुना गया। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष और जिला प्रभारी अर्चना मिश्रा ने तेजवापुर मंडल के हेमरिया बूथ संख्या 383 पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यकर्ताओं व स्थानीय निवासियों के साथ कार्यक्रम को सुना। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने देशवासियों से आगामी त्योहारों पर स्थानीय कारीगरों व छोटे दुकानदारों को आर्थिक संबल देने के लिए वोकल फॉर लोकल के मंत्र को अपनाने का पुरजोर आग्रह किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का यह कार्यक्रम देश के दूर—दराज के इलाकों में हो रहे सकारात्मक बदलावों का जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने सभी से अपील किया कि इस दीवाली और आगामी त्योहारों पर हम सभी स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देकर देश के शिल्पकारों और छोटे व्यापारियों के जीवन में खुशहाली लाने का संकल्प लें। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेश पांडेय, महसी विधायक सुरेश्वर सिंह, जिला उपाध्यक्ष रामनिवास जायसवाल, जिला कोषाध्यक्ष नितिन रूपानी,ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रमाकर पांडेय समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

बेकाबू हुई थार, ई—रिक्शा को रौंदा, 6 घायल, 4 की हालत नाजुक

संवाददाता—कुशीनगर। तेज रफ्तार थार ने सवारी लेकर जा रहे ई—रिक्शा को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि थार ई—रिक्शा के ऊपर चढ़ गई और ई—रिक्शा पलट गया। हादसे में ई—रिक्शा सवार छह लोग घायल हो गए। इनमें चार की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें मेडिकल कालेज अस्पताल गोरखपुर रेफर कर दिया। दुर्घटना कप्तानगंज थाना कके हाटा—कप्तानगंज मार्ग पर मथौली कस्बे में रविवार दोपहर हुई। लोहेपार से सवारियां लेकर ई—रिक्शा मथौली की ओर आ रहा था। दोपहर करीब 12 बजे कस्बे में इंडियन पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार थार अनियंत्रित हो गई और ई—रिक्शा में टक्कर मारते हुए उसके ऊपर चढ़ गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा—तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मथौली पहुंचाया। घायलों में कप्तानगंज थाना क्षेत्र के सिरसिया निवासी सरोज (45), उनका तीन वर्षीय पुत्र, सीमा (42), ई—रिक्शा चालक विद्यानाथ पांडेय (50), हरपुर बरवा निवासी अनूप (16) और लोहेपार के अमोलापट्टी टोला निवासी बबीता (32) शामिल हैं।

सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद सरोज, सीमा, अनूप और बबीता की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष धीरेंद्र राय ने बताया कि थार को कब्जे में ले लिया गया है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

नेपाल ले जाई जा रही प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन की खेप पकड़ी गई, एक गिरफ्तार

संवाददाता—महराजगंज। इंडो—नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सुरक्षा एजेंसियों को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। सोनौली पुलिस एवं एसएसबी की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 1503 एम्पुल प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन बरामद किए हैं। नेपाल ले जाई जा रही इंजेक्शन की खेप के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार करते हुए टीम ने तस्करी में प्रयुक्त एक स्विफ्ट डिजायर कार भी बरामद की है। एसपी शक्ति मोहन अवस्थी के निर्देशन में इस समय पुलिस बॉर्डर क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी रोकने को विशेष अभियान चला रही है। इसी क्रम में एएसपी सिद्धार्थ एवं सीओ नौतनवां बसंत सिंह के पर्यवेक्षण में सोनौली पुलिस व एसएसबी को मुखबिर से मादक पदार्थों की तस्करी होने की सूचना मिली। थानाध्यक्ष सोनौली विशाल कुमार शुक्ला के नेतृत्व में पुलिस एवं एसएसबी की संयुक्त टीम संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की जांच करने लगी। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर टीम ने भारत—नेपाल

सीमा के मुख्य गेट के पास कार्रवाई करते हुए आरोपी प्रेमचन्द को प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ गिरफ्तार किया।

इस दौरान टीम ने 511 एम्पुल बुप्रेनोरफिन इंजेक्शन, 499 एम्पुल डाइजापाम इंजेक्शन, 493 एम्पुल प्रोमेथाजीन हाइड्रोक्लोराइड इंजेक्शन मिलाकर कुल 1,503 एम्पुल प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन को बरामद किया। पकड़े गए आरोपी की पहचान प्रेमचंद निवासी ग्राम जुगौली थाना सोनौली—महराजगंज के रूप में हुई। इसके कब्जे से टीम ने एक स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की। बरामदगी के आधार पर थाना सोनौली में धारा 8/22/23 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। आरोपी के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय सदर महराजगंज के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए भेजा गया। गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली टीम में एसओ सोनौली विशाल कुमार शुक्ला, चौकी प्रभारी सोनौली नरेंद्र कुमार पटेल, एसआई अरविन्द कुमार, कांस्टेबिल अनूप मिश्रा, एसएसबी के एसआई रामलाल, हेड कांस्टेबिल करवीर प्रताप गहलोत व कांस्टेबिल नवनीत कुमार शामिल रहे।

ईवीएम—वीवीपैट का मॉक पोलः एफएलसी के बाद राजनीतिक दलों की मौजूदगी में परखी गई मशीनों की कार्यप्रणाली

संवाददाता—बलरामपुर। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन—2027 की तैयारियों के तहत जनपद में ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की फर्स्ट लेवल चेकिंग (एफएलसी) पूरी होने के बाद रविवार दोपहर 3 बजे को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम—वीवीपैट स्ट्रांग रूम में मॉक पोल कराया गया।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में संपन्न इस प्रक्रिया के दौरान मशीनों की कार्यप्रणाली परखी गई। निर्वाचन आयोग के निर्धारित दिशा—निर्देशों के अनुरूप पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया गया।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन प्रशासन की ओर से ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की जांच की प्रक्रिया 29 सितंबर से शुरू की गई थी। एफएलसी का कार्य पूर्ण होने के बाद मॉक पोल के माध्यम से मशीनों की कार्यप्रणाली का परीक्षण किया गया।

इस दौरान बैलेट यूनिट, कंट्रोल

यूनिट और वीवीपैट के संचालन की जांच की गई। पूरी प्रक्रिया राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुई, जिससे उन्हें जांच एवं परीक्षण की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर मिला।

एफएलसी की पूरी प्रक्रिया के दौरान निर्धारित व्यवस्था के तहत प्रतिदिन राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में स्ट्रांग रूम खोला और बंद किया गया। निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से जांच एवं परीक्षण के प्रत्येक चरण को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा—निर्देशों के अनुरूप संपन्न कराया गया। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन—2027 के मद्देनजर ईवीएम एवं वीवीपैट की एफएलसी और मॉक पोल की प्रक्रिया पूरी होना निर्वाचन तैयारियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण चरण है। जिला निर्वाचन प्रशासन ने आयोग की मानक प्रक्रिया का पालन करते हुए पूरी कवायद को व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया। चुनाव से पहले मशीनों की जांच और उनके संचालन का परीक्षण निर्वाचन संबंधी तैयारियों का अहम हिस्सा माना जाता है।

बहला—फुसलाकर ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार पुलिस ने पाक्सो एक्ट की धाराएं बढ़ाईं

संवाददाता—बलरामपुर। रेहरा बाजार थाना क्षेत्र में नाबालिग को बहला—फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 23 अक्टूबर 2026 को रेहरा बाजार थाना क्षेत्र की एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी करीब 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री को दुर्गेश चौहान उर्फ सनी देओल निवासी बनकटवा चीथरडीह, गजपुर ग्रिंट, थाना रेहरा बाजार शादी का झांसा देकर बहला—फुसलाकर ले गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पुलिस के अनुसार, विवेचना के दौरान नाबालिग की बरामदगी की गई और नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि प्राप्त साक्ष्यों और बयानों के आधार पर मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64(2)(एम), 351(3) तथा पॉक्सो एक्ट की धारा 5एल/6 और 5(आईआई)/6 की बढ़ोतरी की गई है। इसके बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश करने के लिए भेजा गया।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मार्तण्ड प्रकाश सिंह के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक विशाल पाण्डेय और क्षेत्राधिकारी उतरौला डॉ. जितेन्द्र कुमार के पर्यवेक्षण तथा थानाध्यक्ष अनिल दीक्षित के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक शेषनाथ यादव, कांस्टेबल प्रभुनाथ यादव और महिला कांस्टेबल सुधा शामिल रहीं।

न्यायालय के आदेश पर एक मकान समेत चार अवैध कब्जे हटाए गए

संवाददाता—बहराइच। हुजूरपुर थाना क्षेत्र के धनापारा गांव में रविवार दोपहर सरकारी जमीन पर हुए अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई की। न्यायालय के आदेश पर गाटा संख्या 148 की भूमि पर बने एक मकान और तीन अन्य अवैध कब्जों को बुलडोजर चलाकर गिरा दिया गया। यह कार्रवाई तहसीलदार पयागपुर अंबिका प्रसाद चौधरी के नेतृत्व में हुई। प्रशासनिक टीम धनापारा पहुंची और संबंधित भूमि का निरीक्षण करने के बाद अतिक्रमण हटाने का काम शुरू किया। इस दौरान राजस्व और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र के अतिक्रमणकारियों में डर रहा। अधिकारियों ने साफ किया कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने लोगों से सरकारी भूमि पर कोई भी अवैध निर्माण न करने को कहा है। अधिकारियों के मुताबिक, सरकारी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराने का अभियान आगे भी जारी रहेगा। न्यायालय के आदेश पर हुई इस कार्रवाई को प्रशासन की सख्ती के तौर पर देखा जा रहा है।

हादसे में मरने वालों के परिजनों को दो-दो लाख की मदद

संवाददाता—बलरामपुर। सदर विधानसभा क्षेत्र के बेलहा चरनगहिया में दुर्गा पूजा पंडाल में मां दुर्गा की आरती के दौरान अनियंत्रित बोलेरो की चपेट में आने से हुई दुर्घटना के पीड़ित परिवारों को रविवार को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई लोग घायल हुए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सदर विधायक पलटूराम ने मृतकों के परिजनों को दो—दो लाख रुपये और घायलों को 50—50 हजार रुपये की सहायता राशि दी। मुख्यमंत्री ने घटना का संज्ञान लेते हुए घायलों के समुचित उपचार और पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में विधायक ने पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें सहायता राशि प्रदान की। हादसे में घायल दद्दू, सुरेश पाण्डेय, छेदी, धूपराम, मुकेश कुमार तिवारी और हरि प्रसाद को 50—50 हजार रुपये की आर्थिक मदद दी गई है। विधायक ने परिवारों को भरोसा दिलाया कि दुख की इस घड़ी में सरकार उनके साथ खड़ी है और हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस दौरान एसडीएम सदर मनोज कुमार सरोज, देहात कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक गिरिजेश तिवारी, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बंटी मिश्रा, प्रधान राफिरू, पूर्व प्रधान दल बहादुर सिंह, आलोक सिंह, राजस्व विभाग के कर्मचारी और पीड़ित परिवारों के सदस्य मौजूद रहे।नदी में डूबने से मृतक के परिजनों को चार लाख रू सदर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भुसैलवा में नदी में डूबने से हुई मौत के मामले में भी मुख्यमंत्री के निर्देश पर पीड़ित परिवार को चार लाख रुपये की आपदा राहत सहायता दी गई। प्रशासन की ओर से शोक संतप्त परिजनों को आर्थिक मदद उपलब्ध कराई गई। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। इस दौरान एसडीएम सदर मनोज कुमार सरोज, ग्राम प्रधान राकेश सोनकर, भाजपा जिलामंत्री दुष्यंत चौधरी, भाजपा नेता राजेश वर्मा और पीड़ित परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

महंत रामचरण दास महात्यागी की पुण्यतिथि पर संतों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

अयोध्या। रामनगरी के प्रमोदवन स्थित चित्रकुटी मंदिर में रविवार को साकेतवासी महंत रामचरण दास महात्यागी (फलाहारी) महाराज की 14वीं पुण्यतिथि श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अयोध्या के संत—महंतों एवं श्रद्धालुओं ने उनके चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। संतों ने उनके आध्यात्मिक जीवन, साधना और आश्रम के विकास में दिए गए योगदान का स्मरण किया।नंदीग्राम चित्रकुटी मंदिर के वर्तमान महंत उत्तम दास महात्यागी महाराज ने अपने गुरुदेव को स्मरण करते हुए कहा कि महंत रामचरण दास महात्यागी ने आश्रम की स्थापना कर उसके संचालन और विकास का दायित्व संभाला था। वह आजीवन आश्रम की उन्नति के लिए संकल्पित रहे। भजनानंदी संत के रूप में उनकी दिनचर्या भक्ति और साधना को समर्पित थी। नित्य सरयू स्नान उनके जीवन का अभिन्न अंग था। भगवान श्रीराम और माता सीता के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा थी। वह प्रभु के अनन्य उपासक थे और अपना अधिकांश समय भजन—साधना में व्यतीत करते थे।

महंत उत्तम दास ने कहा कि वह अपने गुरुदेव द्वारा बताए गए मार्ग पर चलकर आश्रम की आध्यात्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आश्रम में गोसेवा, संत सेवा, विद्यार्थियों के सहयोग और आगंतुकों के सत्कार की परंपरा निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि मंदिर के उत्तरोत्तर विकास के साथ गुरुदेव के आदर्शों और सेवा—भावना को अक्षुण्ण बनाए रखना उनका संकल्प है।इसअवसर पर मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, बधाई भवन के महंत राजीव लोचन शरण, बावन मंदिर के महंत वैदेही वल्लभ शरण, महंत उद्धव शरण, महंत प्रियाप्रीतम शरण, महंत प्रिया शरण, श्रृंगार कुंज के महंत हरिभजन दास, महंत भूषण दास, महंत धर्मदास, प्रियेश दास, संतदास, हनुमानगढ़ी के महंत रमेश दास, महंत रामशरण रामायणी और पूर्व पार्षद संजय पांडेय सहित अनेक संत—महंत एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। राजस्थान के बूंदी और कोटा सहित विभिन्न क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे। इनमें महाराज के शिष्य भागीरथी मीणा छकरवाड़ा बूची सहित अन्य भक्त शामिल रहे।सभी ने साकेतवासी महंत को नमन कर उनके आध्यात्मिक जीवन और सेवा—परंपरा का स्मरण किया।कार्यक्रम में महंत उत्तम दास ने पधारे संत—महंतों, श्रद्धालुओं और विशिष्टजनों का स्वागत—सत्कार किया।

गाजे—बाजे के साथ निकली रुद्र महायज्ञ की कलश यात्रा, उमड़े श्रद्धालु

संवाददाता—महराजगंज। नेहरू नगर में श्रीश्री विद्यार्थी रामलीला समिति की ओर से आयोजित श्रीश्री रुद्र महायज्ञ को लेकर श्रद्धा व भक्ति का माहौल देखने को मिला। महायज्ञ के उपलक्ष्य में प्राचीन बउरहवा बाबा स्थान से कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं व वार्डवासियों ने भाग लिया। यात्रा के दौरान धार्मिक उत्साह व आस्था का संगम नजर आया। कलश यात्रा पिपरदेउरा, नेहरू नगर, गांधी नगर व साहूजी नगर से होते हुए जलकल रोड व कोतवाली मार्ग से मऊपाकड़ स्थित छठ घाट पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने जल ग्रहण किया। नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी यात्रा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। आयोजन में स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम के मुख्य यजमान समाजसेवी निठुरी सिंह व एडवोकेट उमेश तिवारी उपस्थित रहे। इस दौरान आयोजन नेहरू नगर के सभासद ब्रजकिशोर सिंह, सोनू प्रजापति, अमित साहनी, रवि शर्मा, अविनाश शर्मा, कपिल यादव, छोटेलाल साहनी, अशोक नायक, रामशरन साहनी, लालदेव सिंह और शारदा शर्मा सहित समस्त वार्डवासियों ने सहयोग किया।

कांग्रेसी 'वोट बचाओ, देश बचाओ' नारे के साथ सड़क पर उतरे

संवाददाता—श्रावस्ती। जनपद मे राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर रविवार को सुबह 11:00 से 12:00 के बीच कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत बाइक रैली निकालकर मताधिकार की सुरक्षा और लोकतंत्र की मजबूती का संदेश दिया। रैली के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता का वोट है।

प्रत्येक पात्र नागरिक को मतदान का अधिकार मिलना और मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित होना जरूरी है। कार्यकर्ताओं ने अभियान

को गांव—गांव तक पहुंचाने का संकल्प भी जताया।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विद्यामणि त्रिपाठी ने कहा कि पार्टी संविधान, लोकतंत्र और आम जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। वोट जनता की आवाज है और इसकी सुरक्षा लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक है। जिला उपाध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने कहा कि हर नागरिक के मत का समान महत्व है। उन्होंने लोगों से अपने मताधिकार के प्रति सजग रहने की अपील की।

वहीं कांग्रेस के द्वारा निकाली गई बाइक रैली में जिला उपाध्यक्ष असलम खान, जिला सचिव मुजीबुर रहमान, ब्लॉक अध्यक्ष यशोदानंदन शर्मा, जिला उपाध्यक्ष चंद्रपाल यादव समेत अन्य कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

कहानियां सोच और संस्कारों पर छोड़ती हैं गहरी छाप–गौरव कुमार निगम

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। एक अच्छी कहानी सिर्फ पढ़ी या सुनी नहीं जाती, बल्कि वह सोचने का नजरिया बदलने के साथ समाज की सोच और संस्कारों पर भी गहरी छाप छोड़ती है। जनपद के हर्रैया नगर पंचायत निवासी लेखक एवं ब्रांड स्ट्रेटेजिस्ट गौरव कुमार निगम ने अयोध्या में आयोजित अयोध्या–फैजाबाद पुस्तक मेले में 'एक कहानी, कई नजरिए' विषय पर आयोजित विशेष सत्र में कहानी की इसी ताकत को रेखांकित किया। उन्होंने महाभारत के शकुनि के चरित्र से लेकर विज्ञापन जगत के चर्चित अभियानों तक के उदाहरण देकर बताया कि कहानी किस तरह लोगों की सोच, व्यवहार और पसंद को प्रभावित करती है।

नारायण दास खत्री मेमोरियल ट्रस्ट, अयोध्या की ओर से आयोजित सत्र में उन्होंने कहा कि कहानियां केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वास्तविकता और कल्पना के बीच सेतु का काम करती हैं। इनके जरिए व्यक्ति अपने अनुभवों को समझने के साथ दूसरों की परिस्थितियों और भावनाओं से भी जुड़ता है। कहानियां पीढ़ी–दर–पीढ़ी विचारों और मूल्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।कहानी की संरचना पर चर्चा करते हुए उन्होंने कथावस्तु, पात्र, संवाद, देशकाल एवं वातावरण, भाषाशैली और उद्देश्य जैसे प्रमुख तत्वों को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि इन तत्वों का प्रभावी संयोजन किसी साधारण घटना को भी रोचक और अर्थपूर्ण कहानी में बदल सकता है। सत्र में महाभारत के शकुनि के चरित्र पर चर्चा करते हुए निगम ने उनकी पृष्ठभूमि से जुड़ी एक प्रचलित कथा का उल्लेख किया। उन्होंने सवाल उठाया कि किसी पात्र को केवल उसके कर्मों के आधार पर खलनायक मान लेना उचित है या उसके पीछे की परिस्थितियों और अनुभवों को समझना भी जरूरी है। उन्होंने श्रोताओं को किसी भी चरित्र के विभिन्न पक्षों पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। कहानियों के व्यावसायिक प्रभाव को समझाने के लिए निगम ने त्योहारों, उपहार देने की बदलती परंपराओं और विज्ञापन जगत के उदाहरण दिए। विभिन्न विज्ञापनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि प्रभावी कहानी किसी उत्पाद की खूबियां बताने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि लोगों के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाकर ब्रांड को अलग पहचान दिलाती है। उन्होंने कहा कि कहानीकार होने के लिए यह जरूरी नहीं कि आप कुछ असाधारण लिखें। जरूरी यह है कि किसी साधारण घटना को असाधारण दृष्टि से देखें। निगम ने कहानी लेखन के लिए अवलोकन, संवेदनशीलता, सहानुभूति, जिज्ञासा और कल्पनाशीलता को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने नियमित रूप से पढ़ने, दूसरों की बात ध्यान से सुनने और अपनी रचनाओं में सुधार करने की आदत विकसित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि जीवन की सामान्य घटनाओं और छोटी–छोटी बातों को गहराई से देखने पर भी प्रभावशाली कहानियां लिखी जा सकती हैं। गौरव कुमार निगम हिंदी क्राइम थ्रिलर 'स्कैंडल इन लखनऊ' के लेखक हैं। लेखन के साथ उनकी रुचि अपराध–कथा, मानवीय व्यवहार और ब्रांड रणनीति में है। वे ब्रांड संचार में कहानी की भूमिका पर भी काम करते हैं। कार्यक्रम के समापन पर पुस्तक मेले की आयोजन समिति और नारायण दास खत्री मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से गौरव को स्मृति–चिह्न प्रदान किया गया तथा सत्र के लिए आभार व्यक्त किया गया।

बच्चे को थप्पड़ मारा फिर बाल पकड़कर घसीटा, शिक्षक और प्रधानाध्यापक पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। प्ले–वे स्कूल में बच्चे को थप्पड़ मारने, बाल पकड़कर घसीटने और सिर पर नाखूनों से नोचने के मामले में शाहपुर थाना पुलिस ने शनिवार रात शिक्षक और प्रधानाध्यापक के विरुद्ध मारपीट का मुकदमा दर्ज किया। मामले की जानकारी होने पर बच्चे के पिता ने तहरीर दी थी। सीसीटीवी फुटेज की जांच में आरोप की पुष्टि होने पर पुलिस ने कार्रवाई की है। एचएन सिंह चौराहे के पास गोविंद नगरी निवासी अतुल सिंह के दो बेटे हैं। बड़ा बेटा शहर के एक स्कूल में कक्षा तीन में पढ़ता है, जबकि तीन वर्षीय बेटे का घर के पास स्थित यूरो किड्स प्ले–वे स्कूल में दाखिला कराया था। परिजनों के मुताबिक, 13 अक्टूबर को स्कूल से वीडियो काल आया। इसमें बच्चा कांपते हुए रो रहा था। टीचर ने बताया कि वह खाना नहीं खा रहा है। आरोप है कि इस दौरान बच्चे के मुंह में जबरन रोटी ठूंस दी गई। यह देखकर परिजन स्कूल पहुंचे और बच्चे को घर ले आए। मां सालवी सिंह के मुताबिक, घर आने के बाद बेटे ने बताया कि शिक्षक ने उसे पीटा है। उसके सिर पर नाखूनों से नोचने के निशान भी मिले। इसके बाद से बच्चा स्कूल जाने की बात सुनते ही रोने और चीखने लगता है परिजनों का आरोप है कि बच्चे को स्कूल में मानसिक रूप से परेशान किया जा रहा था, जिससे उसकी सेहत पर भी असर पड़ा है। पिता अतुल सिंह ने अगले दिन स्कूल पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज देखा जिसमें शिक्षक बच्चे को थप्पड़ मारती और बाल पकड़कर खींचती दिखाई दीं। परिवार का यह भी आरोप है कि शिक्षक दूसरे बच्चों के साथ भी मारपीट करती थी। सीओ गोरखनाथ रवि कुमार सिंह ने बताया कि फुटेज की जांच में आरोप की पुष्टि होने पर कार्रवाई की गई है।

लंबित मांगों को लेकर प्रदेश के हजारों न्यायालय कर्मचारियों ने सत्याग्रह कर बुलंद की आवाज

संवाददाता–लखनऊ। दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ, उत्तर प्रदेश के आह्वान पर रविवार को राजधानी लखनऊ के इको गार्डन में प्रदेशभर के जनपद न्यायालय कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर प्रदेशव्यापी सत्याग्रह किया। विभिन्न जनपदों से पहुंचे हजारों कर्मचारियों ने शासन स्तर पर वर्षों से लंबित मांगों के शीघ्र निस्तारण की आवाज बुलंद करते हुए सम्मानजनक वेतनमान, बेहतर सेवा शर्तों और कर्मचारी हितों की रक्षा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

जनपद न्यायालय कर्मचारियों की तरफ से प्रदेश महासचिव नरेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि शासन स्तर पर हमारी निम्न मांगे वर्षों से लंबित है जिनमें 14वें वित्त आयोग के अंतर्गत गठित एफटीसी कर्मचारियों की वार्षिक 10: वेतन वृद्धि तथा माननीय उच्च न्यायालय द्वारा शासन को प्रेषित संस्तुति के आलोक में सेवा नियमितीकरण की प्रक्रिया में शीघ्रता की जाए, कनिष्ठ सहायक से वरिष्ठ सहायक पद पर पदोन्नति हेतु निर्धारित अर्हकारी सेवा में 50: शिथिलीकरण संबंधी माननीय उच्च न्यायालय द्वारा शासन को प्रेषित नियमावली संशोधन प्रस्ताव को शीघ्र स्वीकृत कर नियमावली में आवश्यक संशोधन किया जाए, माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पेड अप्रेन्टिस पदों को कनिष्ठ सहायक पदों में समायोजित किये जाने हेतु शासन को प्रेषित प्रस्ताव को शीघ्र स्वीकृत कर नियमावली में आवश्यक संशोधन किया जाए, जनपद न्यायालयों में बयान लेखक के पदों का सृजन किया जाए, जनपद न्यायालयों में कार्यरत प्रशासनिक अधिकारियों के पदों को राजपत्रित पद का दर्जा प्रदान किया जाए, जनपद न्यायालयों में विलुप्त किए गए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पदों को पुनर्स्थापित किया जाए, जनपद न्यायालय कर्मचारियों के पदीय कार्यों को निर्धारित मानक के अनुरूप सीमित करते हुए अतिरिक्त कार्यभार के अनुरूप अतिरिक्त पदों का सृजन किया जाए तथा पद सृजन होने तक अतिरिक्त कार्य के लिए अतिरिक्त कार्य भत्ता प्रदान किया जाए, न्यायालय कर्मचारियों के हित में मकान किराया भत्ते (एचआरए) का पुनरीक्षण किया जाए, माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पेड अप्रेन्टिस पदों को कनिष्ठ सहायक पदों में समायोजित किए जाने हेतु शासन एवं उच्च न्यायालय को प्रेषित नियमावली संशोधन प्रस्ताव को शीघ्र स्वीकृत कर नियमावली में आवश्यक संशोधन किया जाए।

प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक सिंह ने बताया कि सत्याग्रह में जनपद बस्ती के अध्यक्ष भागवत शुक्ल के द्वारा दिये गये प्रस्ताव पर भी सहमति बनी है कि जिसमें न्यायालयों के लिपिकीय संवर्ग की भर्ती के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक निर्धारित करने तथा शुरुआती वेतनमान 4200 ग्रेड पे (पे लेवल–6) किए जाने की मांग विशेष रूप से उठाई गई। अभिषेक सिंह ने कहा कि कर्मचारियों ने दिल्ली के जिला न्यायालयों के समान वेतनमान और सुविधाएं प्रदान करने की मांग करते हुए कहा कि कार्य की प्रकृति, जिम्मेदारियों और कार्यभार को देखते हुए उनके वेतनमान एवं सेवा शर्तों में सुधार आवश्यक है। प्रांतीय कोषाध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनपद न्यायालयों के कर्मचारी लंबे समय से अपनी जायज मांगों के समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं। कर्मचारियों के सम्मान और अधिकारों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी। जनपद न्यायालय लिपिकीय संवर्ग कर्मचारियों की शैक्षिक योग्यता स्नातक एवं शुरुआती वेतनमान 4200 ग्रेड पे किए जाने हेतु प्रस्ताव माननीय उच्च न्यायालय प्रेषित किया जाए। शासन द्वारा न्यायालय कर्मचारीगण की निरंतर उपेक्षा किए जाने के विरोध में माह दिसंबर के प्रथम सप्ताह से शासकीय कार्यों में असहयोग, सामूहिक अवकाश प्रारंभ किया जाएगा। असहयोग आंदोलन हेतु संघर्ष समिति गठन किया जाएगा। न्यायालय कर्मचारी के सेवा संबंधित मामलों को चर्चा में लाने हेतु विभिन्न राजनैतिक दलों से संवाद स्थापित किया जाएगा। यदि माह दिसंबर तक मांगे नहीं मानी जाती है तो माह जनवरी 2027 में संपूर्ण कार्य बहिष्कार पर निर्णय लिया जाएगा। विभिन्न जनपदों से आए प्रतिनिधियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अमित यादव, अनिल कुमार श्रीवास्तव, कुमकुम, अशोक ओझा, हरिशंकर श्रीवास्तव, संदीप चौहान, नीरज श्रीवास्तव, सुधीर श्रीवास्तव, सुनीता, ज्योत्सना, नीलू सिंह, विजय यादव, संतोष त्रिपाठी, अमृत लाल, नीरज कुशवाहा, सुमित झा, कुलदीप द्विवेदी, ऋषि यादव, पंकज पाण्डेय, उमेश जायसवाल, कर्मेन्द्र विक्रम, ब्रजेन्द्र यादव, दिनेश गुप्ता, बद्रीनाथ यादव, समरजीत सिंह, राम चरित मिश्रा, राजेश कुमार, कप्तान सिंह सहित प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए हजारों कर्मचारी उपस्थित रहे।

सत्याग्रह के माध्यम से कर्मचारियों ने शासन से मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की अपेक्षा जताई। कर्मचारियों का कहना था कि वर्षों से लंबित समस्याओं का समाधान केवल आश्वासनों से नहीं, बल्कि ठोस कार्रवाई से होना चाहिए। कार्यक्रम ने प्रदेशभर के जनपद न्यायालय कर्मचारियों की एकजुटता और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखने के संकल्प को प्रदर्शित किया।

दूसरी शादी की तैयारी में थी पत्नी, खबर मिलते ही पुलिस लेकर आ गया पहला पति

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अभी तक आपने दूल्हे को दूसरी–तीसरी शादी की खबर पाकर पत्नियों के पुलिस लेकर पहुंचने के किस्से सुने और देखें होंगे, लेकिन यूपी के अंबेडकरनगर में इससे उलट मामला सामने आया है। यहां एक पति ही अपनी पत्नी की शादी की सूचना पाकर पुलिस लेकर पहुंच गया। दरअसल प्रसिद्ध शिवबाबा धाम में रुचि नाम की महिला दूसरे युवक से शादी कर रही थी। उसके पहले पति को जब इस बात की खबर लगी तो वह सीधे पुलिस लेकर आ धमका। इसके बाद जमकर हंगामा हुआ। पुलिस महिला उसके पहले और दूसरे पति को अकबरपुर कोतवाली ले आई। कोतवाली में दोनों पक्षों के बीच घंटों बातचीत और पंचायत चली। लेकिन बात नहीं बनी। जानकारी के मुताबिक, शादी के बाद रुचि और उसका दूसरा पति ससुराल जाने के बजाय अकबरपुर कोतवाली पहुंच गए। वहां दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक बातचीत हुई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बातचीत के बाद पहले पति सूरज ने लिखापढ़ी करते हुए रुचि को दूसरे पति के साथ जाने दिया। इसके बाद महिला अपने दूसरे पति के साथ चली गई। बताया जा रहा है कि सूरज और रुचि का एक बच्चा भी है। दोनों ने पहले ही न्यायालय में तलाक की अर्जी दाखिल कर रखी है। हालांकि, तलाक की अर्जी पर न्यायालय का अंतिम आदेश हुआ है या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। घटना के बाद से क्षेत्र में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

पद्म भूषण डॉ. अनिल जोशी के नेतृत्व में गोरखपुर पहुंची 'प्रकृति पथ यात्रा', हुआ जोरदार स्वागत

संवाददाता–गोरखपुर। प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नेपाल के जनकपुरधाम से निकली 'प्रकृति पथ यात्रा' रविवार को गोरखपुर पहुंची। देवरिया से होते हुए शहर पहुंची यात्रा का गौरी बाजार और चौरीचौरा में नागरिकों ने स्वागत किया। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गेट नंबर दो पर पर्यावरणविद् डा. गोविंद पांडेय और डा. अंकित ने यात्रियों का अभिनंदन किया। इसके बाद यात्रा गोरखनाथ मंदिर पहुंची, जहां यात्री विश्राम कर रहे हैं। सोमवार को यात्रा बस्ती के लिए रवाना होगी। यात्रा का नेतृत्व पद्म भूषण और पद्मश्री से सम्मानित पर्यावरणविद् डा. अनिल प्रकाश जोशी कर रहे हैं। महात्मा गांधी की जयंती पर दो अक्टूबर को जनकपुरधाम से शुरू हुई यह साइकिल यात्रा गांधीवादी विचारों, स्वराज और स्वस्थ पारिस्थितिकी की अवधारणा को आगे बढ़ाने का प्रयास है।

लगभग 50 से 55 दिनों में तीन हजार किलोमीटर की दूरी तय करने के लक्ष्य के साथ निकली यात्रा अब तक करीब 1200 किलोमीटर का सफर पूरा कर चुकी है। विभिन्न पड़ावों पर विद्यार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों, नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से संवाद कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है। यात्रा के संयोजक राम बाबू तिवारी ने बताया कि यात्रा का मूल संदेश है कि प्रकृति केवल संसाधनों का भंडार नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। हवा, मिट्टी, जंगल, नदियां और जल के बिना मानव सभ्यता की कल्पना नहीं की जा सकती। इसके बावजूद विकास की दौड़ में प्राकृतिक संसाधनों के दोहन पर जोर दिया जा रहा, जबकि उनके संरक्षण और पुनर्स्थापन को अपेक्षित महत्व नहीं मिल पाया।

जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, जल संकट, वनों की कटाई, जैव विविधता में गिरावट और बढ़ता प्रदूषण आज गंभीर चुनौतियां हैं। प्रकृति पथ यात्रा के माध्यम से लोगों को इन समस्याओं के प्रति जागरूक करने के साथ अपनी जीवनशैली और व्यवहार में बदलाव लाने की प्रेरणा दी जा रही है। यात्रा के दौरान जल संरक्षण, स्वच्छता, वृक्षारोपण, जैव विविधता और पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली पर चर्चा की जा रही है। इसका उद्देश्य युवाओं, महिलाओं, किसानों और स्थानीय समुदायों को प्रकृति संरक्षण से जोड़ना है। यात्रा का संदेश है कि पर्यावरण बचाना केवल सरकार या किसी संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है।

'प्रकृति पथ यात्रा' विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने की पहल है। इसके जरिए लोगों को यह समझाने का प्रयास किया जा रहा है कि प्रकृति का संरक्षण ही मानवता, संस्कृति और भविष्य की रक्षा का आधार है।

पीएचसी तारुन में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में 54 मरीजों की जांच, दी गईं दवाएं

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पछियाना तारुन में रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। इसमें दोपहर एक बजे तक 54 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्साधिकारी डॉ. विशाल शुक्ला ने मरीजों की जांच कर उन्हें चिकित्सकीय परामर्श दिया और जरूरत के अनुसार दवाएं दी गईं। मेले में बुखार, खांसी, जोड़ों के दर्द, एनीमिया, टाइफाइड, डायरिया, एलर्जी और सीने में दर्द की शिकायत लेकर मरीज पहुंचे। दो वर्षीय ओम को खांसी और बुखार, जबकि 30 वर्षीय कंचन को जोड़ों में दर्द की समस्या थी।

एसपी सिंह ने एलर्जी की शिकायत बताई। अमरजीत और सुरेश बुखार से पीड़ित थे। रामसूरत यादव को हीमोग्लोबिन की कमी के चलते आयरन सुक्रोज दिया गया। पुष्पा एनीमिया, विश्वजीत टाइफाइड, गुंजन डायरिया और पूर्वी बुखार की शिकायत लेकर पहुंचीं। वहीं, अरुण प्रजापति ने सीने में दर्द की समस्या बताई।स्वास्थ्य मेले में फार्मासिस्ट राम जनक वर्मा मौजूद रहे।

कांग्रेस विधायक मलेंद्र रंजन को अयोध्या सहित चार जिलों का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया

संवाददाता–अयोध्या। हिमाचल प्रदेश के इंदोरा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक मलेंद्र रंजन को कांग्रेस पार्टी द्वारा उत्तर प्रदेश के अयोध्या, अमेठी, अंबेडकरनगर और सुल्तानपुर जिलों का पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के मिलने के बाद, उन्होंने कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर इस क्षेत्र में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। कमला नेहरू भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी गई। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के एआईसीसी के ऑब्जर्वर/एमएलए मलेंद्र रंजन के साथ राजेंद्र प्रताप सिंह, नकुल दुबे, जिलाध्यक्ष चेत नारायण सिंह, महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम और अन्य कांग्रेस नेता मौजूद रहे। मलेंद्र रंजन ने कहा कि प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या से 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूरे देश के अंदर एक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य उन मतदाताओं को जागरूक करना है जिनके वोट अलग–अलग चुनावों में काट दिए गए हैं। उन्होंने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वह चुनाव के आखिरी समय में मतदाताओं को वोट डालने से वंचित कर रहा है। इस मुद्दे पर लोगों को जागरूक करने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है ताकि वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। उन्होंने आगे बताया कि इसी मांग को लेकर दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन के सभी दलों के लोग एकत्रित हुए थे और मुख्य चुनाव आयुक्त से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की थी। इस प्रदर्शन में शामिल होने के लिए अयोध्या से भी बड़ी संख्या में लोग दिल्ली पहुंचे थे।

राजभर बोले –सपा–कांग्रेस एक–दूसरे को खत्म करना चाहते हैं

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने रविवार को समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच चल रहे पोस्टर वार को लेकर दोनों दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि समाजवादी पार्टी खत्म हो जाए, राजभर ने कहा कि पहले 172 सीटों की सूची मांगी, आई और अब 200 सीटों की चर्चा हो रही है। आगे 403 सीटों की सूची भी सामने आ सकती है। उन्होंने इसे दोनों दलों के बीच आपसी खींचतान बताते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियों से दोनों पार्टियों के बीच मतभेद उजागर हो रहे हैं। अखिलेश यादव के आवास के बाहर लगाए गए पोस्टर और ब्राह्मण समाज को लेकर की गई टिप्पणियों पर भी राजभर ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज अपनी राजनीतिक भूमिका निभाएगा। साथ ही निषाद समाज का जिक्र करते हुए कहा कि अब यह समाज शिक्षित और जागरूक हो चुका है। वह अपने अधिकारों के साथ राजनीतिक हिस्सेदारी को लेकर भी सजग है। राजभर ने कन्नौज में एक ब्राह्मण युवक की हत्या का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि बूथ पर कथित फर्जी मतदान का विरोध करने के कारण युवक की हत्या की गई थी। उन्होंने दावा किया कि घटना के बाद युवक का सिर नहीं मिला। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने राजकुमार भाटी के कथित बयान का उल्लेख करते हुए देवी–देवताओं को लेकर की गई टिप्पणियों पर भी आपत्ति जताई। राजभर ने कहा कि ब्राह्मण समाज को राजनीतिक दिशा देने की बात करने वालों को समाज की भावनाओं का भी ध्यान रखना चाहिए।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि निषाद समाज अब पहले की तरह नहीं है। समाज के लोग शिक्षित हो रहे हैं और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हैं। उन्होंने कहा कि निषाद समाज को केवल चुनावी लाभ के लिए इस्तेमाल करने के बजाय राजनीति में उचित हिस्सेदारी मिलनी चाहिए।

भाजपा एमएलसी ने मतगणना कर्मियों को लिखा–धांधली रोकना आपकी जिम्मेदारी

संवाददाता–गोरखपुर। भाजपा के एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह ने रविवार शाम मतगणना कर्मियों के नाम खुला पत्र लिखा। इसमें उन्होंने मतगणना की पारदर्शिता बनाए रखने की अपील की। साथ ही कहा कि मतगणना में धांधली न हो, यह कर्मियों की नैतिक जिम्मेदारी है। देवेंद्र प्रताप सिंह इससे पहले पर्यवेक्षक को हटाने की मांग कर चुके हैं।

इस संबंध में उन्होंने चुनाव आयोग को ई–मेल भी भेजा था। अब मतगणना से दो दिन पहले उन्होंने कर्मियों को पत्र लिखकर निष्पक्ष मतगणना सुनिश्चित करने की अपील की है। देवेंद्र सिंह भाजपा से बगावत कर चुके हैं। उन्होंने पहले शिक्षकों के नाम लिखे खुले पत्र के जरिए अपमान और अन्याय के विरुद्ध वोट करने की अपील की थी। उसके बाद खुलकर सपा प्रत्याशी डा. संजयन त्रिपाठी के पक्ष में प्रचार करने उतर आए। इसी बीच उन्होंने पर्यवेक्षक पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें हटाने की मांग की थी। दो दिन बाद मतगणना है और अब उन्होंने एक पत्र मतगणना कर्मियों के नाम लिखा है। मेरे प्यारे भाइयों मतगणना की पारदर्शिता और शुचिता से लोकतंत्र के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत बना रहता है। इस चुनाव के ऑब्जर्वर (पर्यवेक्षक) अवैध खनन और रिश्वतखोरी में चार्जशीटेड हैं। भारी मात्रा में नकदी सीबीआई ने इनके घर से बरामद किया था। सीबीआई द्वारा चार्जशीटेड अधिकारी को चुनाव पर्यवेक्षक बनाने के मकसद को आप आसानी से समझ सकते हैं। हम और आप सब एक बड़े परिवार का हिस्सा हैं। जनता के विश्वास की रक्षा के साथ कभी भी तो मैं लोकतांत्रिक तरीके से आप सबको न्याय दिलाने के लिए सदैव लड़ता रहा। मेधावी छात्र आयुष मिश्रा का मामला रहा हो या अभिषेक मद्धेशिया की हत्या का मामला रहा हो या दिलत सिपाही के साथ अन्याय का मामला रहा हो। अन्याय के खिलाफ लड़ने वाला इकलौता जनप्रतिनिधि हूं दूसरा कोई नहीं। मतगणना में धांधली न हो, यह आप सब की नैतिक जिम्मेदारी है।

यद्यपि की आप सबके ऊपर धांधली करने का भारी दबाव होगा परंतु इसकी शुचिता बनाए रखना है। प्रत्येक दशा में आपके साथ खड़ा हूं और आगे भी खड़ा रहूंगा। सपा और उसके समर्थकों की ओर से मतगणना को लेकर समय–समय पर आशंका व्यक्त की जा रही है लेकिन प्रशासन की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि मतगणना पूरी तरह पारदर्शी होगी। जिस तरह से मतदान पारदर्शी तरीके से हुआ है, उसकी तरह से मतगणना भी होगी। मतपेटिकाएं सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में हैं और उसका सजीव प्रसारण बाहर भी हो रहा है। प्रत्याशियों एवं उनके अधिकृत एजेंटों के बैठने की व्यवस्था की गई है, जहां से वे 24 घंटे निगरानी कर सकते हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र कर्मचारी की बाइक की टक्कर से मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। कृषि विज्ञान केंद्र बगही में चालक–कम–मैकेनिक के पद पर तैनात अवधेश प्रताप सिंह की रविवार सुबह सड़क हादसे में मौत हो गई। वह अयोध्या जिले के सहादतगंज स्थित अपने घर के सामने सड़क पर टहल रहे थे। अवधेश प्रताप सिंह के निधन पर कृषि विज्ञान केंद्र संतकबीरनगर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. सीपीएन गौतम समेत केंद्र के सभी वैज्ञानिकों और कर्मचारियों ने दुख जताया। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। पॉजिटिव– अचानक रुकी हुई पेमेंट मिलने या कोई खास काम पूरा होने से तनाव कम होगा। दिल के बजाय समझदारी से फैसला लें। किसी करीबी रिश्तेदार से खराब चल रहे संबंधों में फिर मधुरता आ सकती है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम राकेश चौधरी Rakesh Chaudhary पुत्र रामजीत ग्राम– मंझरिया शुक्ल पोस्ट– पुरानी बस्ती जनपद– बस्ती (उ.प्र.) का निवासी हूं। ड्राइविंग लाइसेन्स में त्रुटिवश मेरा नाम राकेश कुमार चौधरी हो गया है, जो गलत है। उसे सुधारकर राकेश चौधरी Rakesh Chaudhary कराया जाय।

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com